सिद्धमुख में बिजली व पानी की किल्लत से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

गुस्साए ग्रामीणों ने राजगढ़-भादरा सड़क मार्ग को जाम किया, वाहन चालक परेशान हुये

सादुलपुर, (निसं)। भीषण गर्मी में बिजली व पानी की किल्लत से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा रविवार सुबह आठ बजे ही फूट पड़ा, जिसके चलते गुस्साए ग्रामीणों ने राजगढ़-भादरा मार्ग पर जाम कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने राजकीय विद्यालय व शनिदेव मंदिर के पास सड़क को जाम कर जकर विरोध प्रदर्शन किया तथा शनिदेव मंदिर के पास मुख्य सड़क पर टैंट लगा कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सिद्धमुख के ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी में कस्बे के लोगों को बिजली व पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। कहीं बिजली की लाइनों में फाल्ट आ रहा है, तो कहीं वोल्टेज कम आने की समस्या बनी है, तो कहीं पर रात और दिन में कई-कई घंटे तक लगातार बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। इसे लेकर लोगों का गर्मी में बुरा हाल बना है। लोगों को पेयजल की किल्लत से भी जूझना पड़ रहा है। लोग पानी की बूंद-बूंद को तरसने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने कहा कि भीषण गर्मी के प्रभाव से क्षेत्र में तापमान बढ़ता जा रहा है और ऐसे में कस्बे के लोग बिजली-पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। गर्मी में लोगों को बिजली और पानी की जरूरत सबसे ज्यादा होती है, लेकिन विद्युत निगम बिजली आपूर्ति देने और जलदाय विभाग पेयजल आपूर्ति करने में पूरी तरह विफल रहा है।

बिजली व पानी की समस्याओं को लेकर सिद्धमुख में ग्रामीण धरने पर बैठे।

- लोगों को पेयजल की किल्लत से भी जूझना पड़ रहा है, पानी की बूंद-बूंद को तरसने को मजबूर हैं

ग्रामीणों ने सिद्धमुख कस्बे में बिजली-पानी की समस्या को लेकर सभी अधिकारियों से अनेकों बार ज्ञापन के माध्यम से बिजली-पानी की सप्लाई दुरस्त करवाने की मांग की तथा हर बार आश्वासन दिया गया, लेकिन समस्या जस की तस बनी रही। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आक्रोशित ग्रामीणों ने राजगढ़-भादरा सड़क मार्ग को पूरी तरह से बन्द कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। नरेश महला, कमल मेहरा, लालचंद छिम्पा, प्रधान ढाका, ओम किरोडीवाल, बलवंत जोशी, दयाचंद मेहरा, पिंटू चोपडा, ओम प्रकाश जांगिड, अमर सिंह देवर्थ, प्रेम रतेवाल, उमरद्दीन कुरैशी, रामकिशन चांदोरा, रामकुमार सिहाग, डॉ संजय खुडिया, खिन्नू राम किरोडीवाल, एडवोकेट रामनिवास बिरथलीया व प्रदर्शन में सैंकडों ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती है तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने सिद्धमुख कस्बे में पानी की सप्लाई तुरंत प्रभाव से चालू करने व पेयजल आपूर्ति में नियमितता सूचारू किया जाने, सिद्धमुख जेइएन कार्यालय में जेइएन को लगाया जाए, बिजली के कम वोल्टेज की समस्या का स्थाई समाधान किया जाये, सिद्धमुख कस्बे के बीच से निकलने वाली 11 केवी की लाइन बदलकर रबड केबल लगाई जाए, सिद्धमुख कस्बे को बिजली आपूर्ति के लिए चार जोन में विभाजित किया जाये, बिजली और पानी के अवैध कनेक्शन पर कार्रवाई करते हुए चोरी को रोका जाये आदि मांगों को लेकर ग्रामीणों ने सात घण्टे तक प्रदर्शन जारी रखा।

इस दौरान सादुलपुर विधायक मनोज न्यांगली भी धरने पर बैठे ग्रामीणों के बीच पहुंचे। धरना स्थल पर विधायक मनोज न्यांगली को भी पैदल जाना पड़ा। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी सुशील कुमार सैनी, जलदाय विभाग व विद्युत के एईएन, जेइएन व जलदाय विभाग के एक्सईएन भी मौका पर धरना स्थल पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों से करीब डेढ घंटे चली समझाइश के बाद ग्रामीण माने। जिसमें जलदाय विभाग के अधिकारियों ने सिद्धमुख कस्बे में नियमित एक टंकी पानी पहुंचाने, पेयजल लाइन में अवैध कनेक्शन को पैट्रोलींग कर हटवाने व दोषियों पर कार्रवाई करने आदि बिंदुओं पर सहमति बनी। कई बिंदुओं पर सहमति बनने के बाद ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

आठ दिवसीय राम महायज्ञ का समापन समारोह आयोजित

बाबा दादेश्वर महाराज मंदिर परिसर में समापन समारोह का आयोजन किया गया।

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के देवनगर बाडलवास में श्री बाबा दादेश्वर महाराज मंदिर परिसर में रविवार को श्रीराम महायज्ञ के समापन समारोह का आयोजन किया गया।

- श्रद्धालुओं ने महायज्ञ में आहुति देकर की खुशहाली की कामना

श्री राम महायज्ञ का भव्य आयोजन नौ जून से 16 जून गंगा दशमी तक चल रहा था। कार्यक्रम के दौरान बाडलवास में श्री बाबा देवादास जी महाराज के आश्रम से भव्य महायज्ञ किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने महायज्ञ में आहुति देकर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। यज्ञ समापन मुख्य यजमान चेतराम यादव, प्रभु राम कसाना के सानिध्य में पंडितों ने मंत्रोच्चार किया गया। इसके अलावा प्रतिदिन सुबह यज्ञादी कार्य के साथ संतों द्वारा प्रवचन भी दिए गए है। इस दौरान सभी धार्मिक कार्यक्रम महामण्डलेश्वर पुरुषोत्तमदास जी महाराज, एंव आस पास के सभी ग्रामवासीयो के सान्निध्य में हुआ। धार्मिक स्थल पर महामण्डलेश्वर रामप्रियदास महाराज रामघाट टोंक, माडँव पीठाधीश्वर नृसिंगदास महाराज मध्यप्रदेश, महामण्डलेश्वर शिवदास महाराज रामेश्वरम, महन्त सत्यनारायण दास जी महाराज पुष्कर अजमेर, महन्त हितेश्वर दास जी महाराज गुजरात, महन्त सीयाराम दास जी महाराज अयोध्या धाम एवं अन्य तीर्थों से सन्त समागम में शामिल रहे। ग्रामीणों ने बताया कि खेतड़ी की धरा पर इस प्रकार के धार्मिक कार्यों का आयोजन होने से क्षेत्र में खुशहाली व भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। प्रत्येक व्यक्ति को धार्मिक कार्य के प्रति विस्वास व आस्था के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। महायज्ञ की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं की ओर से विशेष तैयारियां की गई थी। यज्ञ की शुरुआत में ग्रामीणों की ओर से डीजे के साथ पूरे गांव में धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई। इस मौके पर घीसाराम यादव, सहीराम कसाना, संतलाल, नरेन्द्र भड़ाना, निहाल सिंह यादव, पंकज कुमार, कृष्ण कुमार जिंदड, रामेश्वर कसाणा सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

गायत्री जयंती पर्व धूमधाम से मनाया

चूरू, (कासं)। स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री जयंती पर्व धूमधाम से पंच कुंडी यज्ञ से मनाया गया यज्ञ में विश्व शांति हेतु गायत्री मंत्र आहुति, महामृत्युंजय मंत्र आहुति, महाकाल मंत्र की आहुति, नौ ग्रहों की शांति हेतु आहुतियां प्रदान की गई।

उल्लेखनीय है की गायत्री परिवार के लिए पूरे विश्व में गायत्री जयंती सबसे बड़ा उत्सव होता है। इस दिन सभी गायत्री शक्तिपीठों में है, अखंड जप वगायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाता है। आज इस यज्ञ का संचालन राम सिंह राठौड़ वरिष्ठ प्रतिनिधि शांतिकुंज हरिद्वार, सुमन चौधरी जोगणिया व कमलेश कंवर ने किया सर्वप्रथम युग संगीत दिया गया। उसके बाद यज्ञ का संचालन किया गया। सैकड़ों नर नारियों ने यज्ञ में भाग लिया। 2026 में शांतिकुंज हरिद्वार में परम पूज्य गुरुदेव पंडित राम शर्मा आचार्य की तपस्या का शुभारंभ करके जो दीपक प्रज्वलित किया गया था। उस अखंड दीप को 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, उसके लिए घर घर में यज्ञ किए जाएं, का संदेश सभी को दिया गया। आज के यज्ञ में भाग लेने वाले मुख्य रूप से ओम प्रकाश शर्मा सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, महेंद्र कुमार कश्यप, रणबीर सिंह राठौड़, पृथ्वीराज सैनी, गिरधारी लाल सैनी, खेत सिंह राठौड़, गिरधारी सिंह राठौड़, तेजपाल सिंह राठौड़, आनंद सिंह शेखावत, कालीचरण शर्मा, सत्यनारायण कनोडिया, महिपाल सिंह राठौड़, मानवेंद्र सिंह, हितेंद्र सिंह, बजरंग लाल कंदोई, महिला मंडल की प्रेम कंवर, किशन कंवर, प्रकाश कंवर, रामादेवी सैनी, सुनीता देवी, सावित्री देवी, निर्मला देवी, विमला देवी, संतोष देवी, राजश्री कंवर, माया सैनी, गौरा देवी जोगणिया, सुमन चौधरी, कंचन कंवर, संतोष शर्मा, भगवती, राजबाला आदि थी। यज्ञ के बाद संस्कार भी करवाए जाते हैंए आज विभिन्न संस्कार में मुख्यत: गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक उम्मेद सिंह राठौड़ का विवाह दिवस मनाया गया। संस्कार गायत्री परिवार द्वारा किस तरह से मनाए जाते हैंए मूल रूप से संस्कार किस तरह से थे, आज उनका रूप किस तरह से बिगड़ गया है, इसकी शिक्षा देने के लिए यह विभिन्न संस्कारों का आयोजन किया जाता है।

शिविर में 48 जनों ने रक्तदान किया

चूरू, (कासं)। नई सड़क के मल्टीस्पेसलिटी और रिसर्च सेन्टर के सात वर्ष पूर्ण होने पर स्वास्तिक ब्लड बैंक के समायोजन से ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया गया।

कैम्प में 48 यूनिट ब्लड का संग्रहण किया गया। इस अवसर पर आयोजनकर्ता जनरल एवं दूरबीन विधि सर्जन डॉ. संदीप अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान करना चाहिए। आपके द्वारा किए गए रक्तदान से किसी के जीवन को बचाया जा सकता है। इस अवसर पर निदेशक विकास अग्रवालए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ जांगिड़, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद कुमार व अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. सुदर्शन कुमार आर्य आदि के सहयोग से कैम्प का आयोजन किया गया।

शादी कर लाखों की चपत लगाने वाली लुटेरी दुल्हन गिरफ्तार

चूरू, (निसं)। जिले की रतनगढ़ पुलिस ने शादी के 20 दिन बाद फरार हुई लुटेरी दुल्हन और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया है। लुटेरी दुल्हन शादी के 20 दिन बाद ही लाखों की चपत लगाकर फरार हो गई थी। लुटेरी दुल्हन इससे पहले भी इस तरह की तीन घटनाएं अंजाम दे चुकी है। इसके अलावा दो लूट की घटनाएं भी घटित कर चुकी है, लुटेरी दुल्हन की यह छठी शादी है।

रतनगढ़ थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि रतनगढ़ तहसील के गांव ठठावता निवासी भादरसिंह ने मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया 8 अप्रेल को बीकानेर के लूणकरणसर निवासी वीरपाल उर्फ अंजू (32) के

- शादी के बीस दिन बाद ही फरार हुई थी, लुटेरी दुल्हन के साथ एक साथी भी गिरफ्तार
- लुटेरी दुल्हन इस तरह की तीन घटनाएं अंजाम दे चुकी है, लुटेरी दुल्हन की यह छठी शादी है।

साथ उसकी शादी हुई थी। यह शादी राजगढ़ के गांव रावतसर कुंजला निवासी महेंद्रसिंह जाट ने करवाई थी। महेंद्रसिंह के कहने पर वह और उसका बहनोई श्यामसिंह लूणकरणसर के गांव राजपुरिया निवासी प्रेमसिंह के घर पर गए थे। जहां पर प्रेमसिंह ने कहा उसके साले की बेटी है, जो शादी योग्य है। उसका पालन-पोषण उसके द्वारा ही किया जा रहा है। जब लड़की को देखा तो उसके साथ एक और लड़की थी। जिसका परिचय इन लोगों द्वारा मनु भाटी के रूप में करवाया और बताया कि यह वीरपाल उर्फ अंजू की दोस्त है। इस दौरान सब कुछ फाइनल हो गया। शादी के लिए इन लोगों ने ढाई लाख रुपए नकद लिए। इसके बाद कोर्ट में शादी संपन्न हुई।

शादी के बाद दुल्हन की सास ने उसे विभिन्न प्रकार के सोने व चांदी के आभूषण दिए और गांव ठठावत ले आए। शादी के 20 दिन बाद मनु भाटी और अन्य लोग आए और रात्रि में वीरपाल को भगाकर ले गए। जाते समय वीरपाल अपने साथ लाखों रुपए के आभूषण और नकदी रुपए भी लेकर चली गई। अगले दिन भादरसिंह ने सुबह उठकर देखा तो वीरपाल नहीं मिली, जिसके बाद रतनगढ़ पुलिस में मामला दर्ज करवाया गया, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लूटेरी दुल्हन वीरपाल उर्फ अंजू को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसके साथी प्रेमसिंह को भी गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि वीरपाल उर्फ अंजू व प्रेमसिंह को पहले थाने में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। लुटेरी दुल्हन की यह छठी शादी है।

सिद्धमुख बाईपास रोड में मोड निर्माण को लेकर ग्रामीणों में रोष

सादुलपुर, (निसं)। निर्माणाधीन राजगढ भादरा स्टेट हाईवे पर सिद्धमुख कस्बे के पास बाईपास रोड में मोड निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीण बोले कि उनके खेतों से बिना किसी अनुमति के सड़क का निर्माण हो रहा है, जबकि उनको मुआवजा भी नहीं मिला है।

ग्रामीणों ने निर्माणकर्ता फर्म पर गजट में प्रकाशित व स्वीकृत नक्शे से अलग मनमाने तरीके से पटवारी द्वारा बनाए गए नक्शे के अनुसार सीधे रोड को तोड मरोड कर निर्माण करने का आरोप लगाकर रोड जाम कर दिया तथा नारे बाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने कहा कि नक्शे से अन्यत्र नई जगह से निर्माण किए जा रहे। ग्रामीणों तथा जिन किसानों के खेत से सडक निकल रही है उन किसानों ने मांग के समर्थन में एडवोकेट हरदीपसिंह के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन को सडक निर्माण में धाँधली का आरोप लगाकर मामले से अवगत करवाया। वहीं एसडीएम सुशील कुमार सैनी ने सूचना मिलते ही मामले पर तुरंत संज्ञान लेते हुए गलत जगह से किये जा रहे रोड निर्माण को रुकवा दिया है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनके खेतों से रोड का न तो नक्शा स्वीकृत है और न ही उनसे इस बाबत कोई सहमति ली गई है।

- ग्रामीणों के विरोध के बाद एसडीएम ने रुकवाया निर्माण कार्य
- ग्रामीण बोले कि उनके खेतों से बिना किसी अनुमति के सड़क का निर्माण हो रहा है, जबकि उनको मुआवजा भी नहीं मिला है

भूमि अधिग्रहण की उन्हें जानकारी तक नहीं है और न ही कोई मुआवजा उन्हें दिया गया है। ऐसे में बडा सवाल उठ रहा है कि आखिर रोड निर्माण कर रही फर्म को राजपत्र अधिसूचना में प्रदर्शित मूल नक्शे से अलग इन किसानों के खेतों से रोड निकालने का कूट रचित नक्शा किसने उपलब्ध करवाया है। साथ ही विरोध कर रहे ग्रामीण और किसानों ने कहा कि सीधे नक्शे में स्वीकृत बाईपास रोड पर प्रभावशाली लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए अधिकारियों तथा सडक निर्माण कर रही फर्म के साथ मिलीभगत कर सडक पर जगह-जगह मोड डाले जा रहे हैं।

साथ यह भी बडा प्रश्न उठ खडा हुआ है कि सरकार द्वारा मूल नक्शे में प्रदर्शित जमीन मालिकों को भूमि अधिग्रहण का मुआवजा दिया जाएगा अथवा नक्शे से अलग हो रहे रोड निर्माण के अनुसार यह तो समय निश्चित करेगा। ग्रामीण और किसानों ने कहा कि न्याय संगत कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को तेज करने की कार्रवाई की जाएगी।

सांसद कस्वां आज चूरू आएंगे

चूरू, (कासं.)। सांसद राहुल कस्वां जिला मुख्यालय पर सोमवार पुरानी मर्कजी ईदगाह में सुबह ईदुल अजहा बकराई ईद की नवाज के वक्त सुबह 7.30 बजे पहुचेंगे।

चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि नवाज़ के बाद चूरू में लोकसभा कांग्रेस सांसद राहुल कस्वां वरिष्ठ जनों के साथ ईदगाह में उपस्थित रहकर ईद पर मुबारक़बाद देंगे।

बी.डी.के. अस्पताल के पालना गृह में नवजात बच्चा छोड़ा

जयपुर ले जाते समय नवजात बच्चे ने रास्ते में तोड़ा दम

झुंझुनूं, (निसं)। राजकीय जिला बीडीके अस्पताल में शनिवार रात को पालना गृह में छोड़ कर गए नवजात की आखिरकार जान नहीं बचाई जा सकी। बीडीके अस्पताल के चिकित्सकों ने सीपीआर देकर बच्चे को बचाने की कोशिश की लेकिन करीब छह घंटे बाद ही बच्चे की जान चली गई। बच्चे का रविवार को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर राजकीय शिशु गृह, पुलिस और नगर परिषद के सहयोग से मुक्ति धाम में दफनाकर अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के मुताबिक राजकीय जिला बीडीके अस्पताल के पालना गृह में शनिवार रात को करीब साढ़े नौ बजे अज्ञात व्यक्ति पालना गृह की सीढियों में एक नवजात छोड़कर चला गया था, जिस वक्त चिकित्सकों ने संभाला तो शिशु की सांसें एकदम थमी हुई थी, लेकिन चिकित्सकों डॉ. जितेंद्र भांबू व डॉ. विजय झाझड़िया ने पूरी रात भर सीपीआर और हर्ट सपोर्ट मेडिकल ट्रीटमेंट देकर बच्चे की जान को एक बार तो बचा लिया और सेच्यूरेशन भी 80 प्रतिशत तक ला दिया। इसके बाद भी बच्चे की हालत क्रिटिकल थी। ऐसे में उसे जयपुर के लिए रैफर किया गया, लेकिन जयपुर पहुंचने से पहले ही बच्चे की जान चली गई। बच्चे के शव को वापिस बीडीके अस्पताल लाकर मोर्चरी में रखवाया गया। बाल कल्याण समिति झुंझुनूं के निर्देश पर रविवार दोपहर को राजकीय शिशु गृह के मैनेजर मुकेश कुमार की मौजूदगी में कोतवाली थाने के एएसआई रामेश्वरलाल ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया। फिर नगर परिषद की मदद से बच्चे का अंतिम संस्कार किया गया। चिकित्सकों ने बताया कि बच्चे की डिलवरी में जल्दबाजी की गई थी। यही कारण है कि बच्चा जिंदा नहीं रह पाया। एक अनुमान के तौर पर बच्चा साढ़े सात महीने के करीब ही हुआ था। डिलवरी समय से पहले ही बच्चा पैदा करवाया गया। हालांकि बच्चा प्रशिक्षित चिकित्साकर्मी द्वारा या तो घर में या फिर किसी अस्पताल में पैदा करवाया गया। बच्चे का जन्म भी शनिवार सुबह या फिर दोपहर बाद को होने का अनुमान चिकित्सकों ने लगाया है। बहरहाल, तमाम कोशिशों के बावजूद बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी।

बीडीके अस्पताल के चिकित्सकों ने नवजात बच्चे को बचाने की कोशिश की।

पानी संकट को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

सादुलपुर, (निसं)। गांव बेजुआ में गत दो महीना से पानी संकट को लेकर ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने कहा कि शिकायत के बावजूद भी कोई करवाई नहीं हो रही है। इस गर्मी के मौसम में ग्रामीणों ही नहीं बल्कि पशुधन को भी भारी संकट का सामना करना पड रहा है। गांव के सैंकडों ग्रामीण और महिलाओं ने सांखू फोर्ट कस्बे में पहुंचकर जलदाय पंप हाउस के सामने प्रदर्शन किया तथा विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर पेयजल समस्या के समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने बताया की पिछले दो महीनों से गांव में पानी की समस्या बनी हुई है। और यह है कि घरेलू काम का छोडकर दिन भर पानी के जुगाड में भटकना पडता है। गर्मी के मौसम में पानी की खपत अधिक होने के कारण पानी संकट गहरा गया है ग्रामीणों ने कहा कि गांव में सप्लाई के वक्त पानी की बूंद तक नहीं आती है तथा गत दो महीना से भारी संकट बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव के अंतिम छोर तक तो पानी पहुंचाना दूर की बात बल्कि पर्याप्त पानी भी पीने को नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तीन दिन में समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीणों को आंदोलन का सहारा लेना पडेगा। इस अवसर सुनीता, संतोरो, सरोज बाला, तारामणि, विमला, कमला, केसर देवी, इंद्रा देवी, भतेरी, कमला, बेगराज, सुनील, राकेश, सीता राम आदि सहित सैकडों ग्रामीण उपस्थित थे।

बाबा गंगाराम महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ संपन्न

झुंझुनूं, (निसं)। श्री पंचदेव मंदिर में आयोजित बाबा गंगाराम गंगा दशहरा महोत्सव विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ रविवार को धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक मनाया गया। पंचदेव मंदिर में इस अवसर पर भजन संध्या, छप्पन भोग एवं दर्शन पूजन के कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कोलकाता के कारीगरों ने मंदिर का आकर्षक शृंगार किया। फूलों से सुसज्जित बाबा की प्रतिमा सबका मन मोह रही थी।

शोभायात्रा में 400 महिलाएं हाथ में ध्वजा लेकर जयकारे लगाते हुए चल रही थी।

- स्वर्ण जयंती वर्ष के शुभारंभ के लिए ध्वजारोहण एवं शोभायात्रा निकाली गई

ज्ञात हो कि आगामी वर्ष श्री पंचदेव मंदिर बाबा गंगाराम धाम की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। इसलिए सुबह स्वर्ण जयंती वर्ष के विधिवत शुभारंभ के लिए ध्वजारोहण, पूजन एवं मंदिर परिक्रमा शोभायात्रा निकाली गई। मुख्य ध्वजा के साथ 400 महिलाएं हाथ में ध्वजा लेकर जयकारे लगाते हुए चल रही थी। भक्तजन बैंड की धुन पर नाचते गाते हुए उत्साह प्रकट कर रहे थे। भजन गायक संजय शर्मा एवं संजीव कोहली मुंबई ने भजन गाए एवं पूरे मार्ग में फूलों की बौछार की जा रही थी। ट्रस्टी अनिल कुमार मोदी ने बताया कि अगले वर्ष स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम किए जाएंगे। धार्मिक, सामाजिक और जन सेवा के कार्यों का सिलसिला पूरे वर्ष भर चलेगा। महोत्सव में बाबा गंगाराम अमृतवाणी का सामूहिक संगीतमय पाठ हुआ। पाठ वाचन बीकानेर से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रवेश शर्मा की अगुवाई में किया गया। दोपहर को पंचदेव मंदिर प्रांगण में भजन संध्या आयोजित हुई। जिसमें विशेषकर कोलकाता के लोकप्रिय कलाकार संजय शर्मा ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। उनके गाए भजनों में 'गंगा जैसे पावन हैं ये बाबा गंगाराम', 'बाबा गंगाराम बनाते पल में बिगड़े काम', 'जय-जय बाबा गंगाराम सबसे प्यारा तेरा नाम', बाबा गंगाराम करते पल में वारे न्यारे' जैसे भजन बहुत सराहे गए। भक्तजन झूमते नाचते हुए बाबा के जयकारों का उद्घोष कर रहे थे। बाबा का महोत्सव पुष्प वृष्टि करके एवं बधाई बांटकर मनाया गया। भजन गायक राकेश बावलिया, रवि तुलस्यान, मनोज ठठेरा, पंकज दाधीच एवं अन्य कलाकारों ने भी सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। आशीर्वाद मंदिर में भी दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा हुआ था। मंदिर में भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री के दिव्य विग्रह की फूलों से सुसज्जित झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। कार्यक्रम में कोलकाता, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद सूरत, पुणे, गोरखपुर, रायपुर, इंदौर, नासिक सहित देश के विभिन्न भागों से आए भक्तों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामचंद्र मोदी, गिरीश सराफ, सुनील मोदी, प्रदीप पटोदिया, प्रदीप मोदी, बिमल टमकोरिया, महेश मोदी, निर्मल मोदी, महेंद्र गोटेवाला, संजीव मोदी, प्रमोद मोदी, अशोक सुलतानिया, अंकुर मोदी, राकेश हलवाई, अरुण राणासरिया, सुरेश मोदी, रमाकांत मोदी, नरेंद्र मोदी आदि का विशेष योगदान रहा।